Vol 8, Issue 1, 2025 **Impact Factor: 8.535** DOI: https://doi.org/10.31426/ijamsr.2025.8.1.8017

IJAMSR

International Journal of Advanced Multidisciplinary Scientific Research (IJAMSR) ISSN:2581-4281

व्यावसायिक शिक्षा का महिलाओं की आय, उद्यमिता और निर्णय-क्षमता पर प्रभाव: झारखंड का अनुभवजन्य विश्लेषण

Bharti Kumari

Research Scholar, Department of Education, Radha Govind University, Ramgarh, Jharkhand.

Dr. Prakash Chandra

Research Supervisor, Department of Education, Radha Govind University, Ramgarh, Jharkhand.

सार

यह अध्ययन झारखंड की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण के प्रभाव का अनुभवजन्य विश्लेषण प्रस्तुत करता है। 400 महिलाओं के सर्वेक्षण, साक्षात्कार एवं फोकस समूह चर्चा के आधार पर यह पाया गया कि व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं में आय, उद्यमिता प्रवृत्ति, निर्णय-क्षमता, सामाजिक गतिशीलता और वित्तीय साक्षरता में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। प्रशिक्षित महिलाओं की औसत आय अप्रशिक्षित महिलाओं की तुलना में 42% अधिक पाई गई, जबकि उद्यम शुरू करने की संभावना लगभग दुगुनी थी। सांख्यिकीय परीक्षण (t-test, ANOVA, Regression) के परिणाम प्रशिक्षण एवं आर्थिक स्वायत्तता के मध्य सकारात्मक सहसंबंध दर्शाते हैं। अध्ययन यह निष्कर्ष देता है कि व्यावसायिक शिक्षा न केवल आर्थिक लाभ देती है बल्कि महिलाओं की सामाजिक भूमिका, आत्म-विश्वास एवं पारिवारिक निर्णयों में भागीदारी को भी सुदृढ़ करती है।

Keywords: व्यावसायिक शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण, महिला सशक्तिकरण, उद्यमिता, आय-वृद्धि, निर्णय-क्षमता, झारखंड।

1. परिचय

भारत में महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण सतत एवं समावेशी विकास की आधारशिला माना जाता है, क्योंकि आर्थिक रूप से सक्षम महिला न केवल परिवार की आय वृद्धि में योगदान देती है, बल्कि सामाजिक निर्णय-क्षमता, संसाधनों पर नियंत्रण और सामुदायिक नेतृत्व में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। *यू.एन. विमेन (2023)* की रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि कौशल आधारित आर्थिक अवसर महिलाओं की वित्तीय स्वतंत्रता व सामाजिक स्थिति को सुदृढ़ करने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध होते हैं (UN Women, 2023)। ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी भारत में, विशेषकर झारखंड जैसे आदिवासी-

IJAMSR

International Journal of Advanced Multidisciplinary Scientific Research (IJAMSR) ISSN:2581-4281

बहुल राज्यों में, महिलाओं का श्रम योगदान व्यापक है, किंतु उनकी आय, उत्पादकता और आर्थिक स्वायत्तता अभी भी सीमित है। झारखंड की महिलाएँ मुख्यतः कृषि, वनोपज-संग्रह, तसर-रेशम उत्पादन, बांस एवं पत्तल निर्माण, हस्तशिल्प, घरेलू खाद्य प्रसंस्करण तथा सेवा कार्यों में संलग्न रहती हैं। *झारखंड आर्थिक सर्वेक्षण (2023)* के अनुसार, राज्य की ग्रामीण महिलाओं का लगभग 70% कार्य गैर-औपचारिक श्रम पर आधारित है, जहाँ कौशल विकास और बाज़ार संपर्क सीमित पाए जाते हैं (Jharkhand Economic Survey, 2023)। ऐसे संदर्भ में व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण महिलाओं के लिए आर्थिक और सामाजिक उन्नयन का प्रमुख साधन बनकर उभर रहे हैं।

तसर-रेशम प्रशिक्षण, सिलाई-कढ़ाई, डिजिटल कौशल, IT-ITES सेवाएँ, बांस उत्पाद निर्माण, खाद्य प्रसंस्करण तथा SHG आधारित उद्यमिता मॉडल ने महिलाओं की आय, उत्पादन दक्षता और रोजगार विविधता को बढ़ाया है। *MSDE Skill India Report (2022)* में उल्लेख है कि प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं की मासिक आय और उद्यमिता अपनाने की प्रवृत्ति अप्रशिक्षित महिलाओं की तुलना में उल्लेखनीय रूप से अधिक पाई गई (MSDE, 2022)। इसके बावजूद प्रशिक्षण की वास्तविक प्रभावशीलता, आर्थिक लाभ की स्थायित्व, निर्णय-क्षमता में हुए बदलाव, परिवार व समाज में भूमिका-सशक्तिकरण तथा प्रशिक्षित–अप्रशिक्षित महिलाओं के तुलनात्मक परिणामों पर गहन अनुभवजन्य शोध अपेक्षाकृत सीमित है। यही शोध इस अंतराल को भरने का प्रयास करता है और यह विश्लेषण करेगा कि व्यावसायिक शिक्षा किस प्रकार झारखंड की महिलाओं के आय-वृद्धि, उद्यमिता विकास और निर्णय-क्षमता को प्रभावित करती है।

2. साहित्य समीक्षा

पिछले दशक में हुए शोध स्पष्ट करते हैं कि व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के अत्यंत प्रभावी उपकरण हैं। शर्मा एवं सिंह (2015) के अध्ययन में यह रेखांकित किया गया कि कौशल प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं की आय, रोजगार अवसर तथा सामाजिक प्रतिष्ठा में महत्वपूर्ण वृद्धि होती है, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ पारंपरिक श्रम पर निर्भरता अधिक पाई जाती है (Sharma & Singh, 2015)। इसी प्रकार कुमारी (2018) ने पाया कि व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त महिलाओं में औसत मासिक आय बिना प्रशिक्षण वाली महिलाओं की तुलना में अधिक थी, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कौशल-आधारित शिक्षा प्रत्यक्ष रूप से आय-सृजन की क्षमता बढ़ाती है।

IJAMSR

International Journal of Advanced Multidisciplinary Scientific Research (IJAMSR) ISSN:2581-4281

अहमद (2017) ने SHG आधारित कौशल प्रशिक्षण मॉडलों का अध्ययन करते हुए बताया कि प्रशिक्षित महिलाओं में उद्यमिता अपनाने की संभावना अप्रशिक्षित महिलाओं की तुलना में दो गुना अधिक होती है, क्योंकि प्रशिक्षण उन्हें उद्यम प्रबंधन, विपणन और संसाधन उपयोग संबंधी व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करता है। जोशी (2020) के अनुसार, जब कौशल प्रशिक्षण को वित्तीय साक्षरता के साथ जोड़ा जाता है, तब महिलाओं की निर्णय-क्षमता–विशेषकर संसाधन आवंटन, बचत-ऋण प्रबंधन और पारिवारिक आर्थिक निर्णयों में–काफी बढ़ जाती है। कोविड-19 के बाद डिजिटल कौशल का महत्व बढ़ने पर मिश्रा (2021) ने अपने अध्ययन में बताया कि ऑनलाइन प्रशिक्षण, डिजिटल विपणन और ई-कॉमर्स कौशल ने महिलाओं के लिए नए रोजगार एवं उद्यमिता अवसर खोले, विशेष रूप से घरेलू उत्पाद, हस्तशिल्प और छोटे स्तर के खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों में। आगे नायर एवं मुखर्जी (2022) ने पूर्वी भारत के तसर-रेशम प्रशिक्षण मॉडलों का विश्लेषण करते हुए पाया कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को स्थिर एवं नियमित आय प्रदान करता है और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मज़बूत करता है। यद्यपि अधिकांश शोधों में यह सहमति दिखाई देती है कि कौशल प्रशिक्षण से महिलाओं की आर्थिक स्वायत्तता, आत्मविश्वास और सामाजिक सहभागिता में वृद्धि होती है, फिर भी झारखंड जैसे आदिवासी-बहुल क्षेत्रों में प्रशिक्षण की प्रभावशीलता, प्रशिक्षण-पश्चात आय-वृद्धि, उद्यमिता स्थायित्व और निर्णय-क्षमता पर अनुभवजन्य शोध अभी भी सीमित हैं। यही अंतर वर्तमान अध्ययन को आवश्यक और प्रासंगिक बनाता है।

3. शोध उद्देश्य

इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह समझना है कि व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण झारखंड की महिलाओं की आय-वृद्धि, उद्यमिता क्षमता और निर्णय-क्षमता को किस प्रकार प्रभावित करते हैं। अध्ययन प्रशिक्षित और अप्रशिक्षित महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक परिणामों की तुलना करते हुए यह स्पष्ट करने का प्रयास करता है कि कौशल-आधारित शिक्षा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कितनी प्रभावी है।

- यह विश्लेषण करना कि व्यावसायिक शिक्षा का महिलाओं की आय पर क्या प्रभाव पड़ता है।
- प्रशिक्षण का महिला उद्यमिता पर प्रभाव मापना।
- यह अध्ययन करना कि प्रशिक्षण महिलाओं की निर्णय-क्षमता को किस रूप में प्रभावित करता है।
- प्रशिक्षित एवं अप्रशिक्षित महिलाओं की तुलना कर वास्तविक अंतर को पहचानना।
- महिला-उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना।

IJAMSR

International Journal of Advanced Multidisciplinary Scientific Research (IJAMSR) ISSN:2581-4281

4. परिकल्पनाएँ

यह अध्ययन इस धारणा पर आधारित है कि व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक स्थिति पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। प्रस्तुत परिकल्पनाएँ यह जाँचने के लिए निर्धारित की गई हैं कि क्या प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं की आय, उद्यमिता प्रवृत्ति और निर्णय-क्षमता अप्रशिक्षित महिलाओं की तुलना में सार्थक रूप से अधिक होती है तथा क्या इन चर (variables) के बीच सांख्यिकीय संबंध मौजूद है।

H1: व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त महिलाओं की आय अप्रशिक्षित महिलाओं से अधिक होती है।

H2: कौशल प्रशिक्षण महिला उद्यमिता अपनाने की संभावना को बढ़ाता है।

H3: प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं की निर्णय-क्षमता अप्रशिक्षित महिलाओं की तुलना में अधिक होती है।

H4: व्यावसायिक शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के बीच सकारात्मक सहसंबंध है

5. शोध पद्धति

इस अध्ययन में मिश्रित पद्धति अपनाई गई है, जिसमें मात्रात्मक और गुणात्मक दोनों प्रकार के डेटा का उपयोग किया गया। शोध डिज़ाइन वर्णनात्मक, विश्लेषणात्मक एवं तुलनात्मक प्रकृति का है, जिससे व्यावसायिक शिक्षा का महिलाओं की आय, उद्यमिता और निर्णय-क्षमता पर वास्तविक प्रभाव मापा जा सके। अध्ययन क्षेत्र झारखंड के चयनित जिलों–रांची, लोहरदगा, दुमका, खूंटी और सिंहभूम–तक सीमित रखा गया। कुल 400 महिलाओं (200 प्रशिक्षित एवं 200 अप्रशिक्षित) का चयन बहु-चरणीय नमूना विधि द्वारा किया गया। डेटा संग्रह हेतु लिकर्ट-स्केल आधारित प्रश्नावली, अर्द्ध-संरचित साक्षात्कार तथा फोकस समूह चर्चा (FGD) का प्रयोग किया गया। सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु Mean, SD, t-test, ANOVA, Pearson Correlation तथा Multiple Regression का उपयोग किया गया, जबकि गुणात्मक जानकारी का विश्लेषण थीमैटिक एनालिसिस द्वारा किया गया। शोध के सभी चरणों में नैतिक सिद्धांतों, गोपनीयता तथा प्रतिभागियों की स्वैच्छिक सहभागिता का पूर्ण ध्यान रखा गया।

6. डेटा विश्लेषण

6.1 आय में परिवर्तन

तालिका 1 : प्रशिक्षित एवं अप्रशिक्षित महिलाओं की औसत मासिक आय की तुलना

समूह	*औसत मासिक आय (₹)*	*मानक विचलन (SD)*	*नमूना आकार (n)*
प्रशिक्षित महिलाएँ	12,800	2,450	200
अप्रशिक्षित महिलाएँ	9,000	1,980	200

IJAMSR

International Journal of Advanced Multidisciplinary Scientific Research (IJAMSR) ISSN:2581-4281

t-test के परिणाम ($t = 5.62$, $p < 0.01$) यह स्पष्ट करते हैं कि प्रशिक्षित महिलाओं (₹12,800) और अप्रशिक्षित महिलाओं (₹9,000) की आय में पाया गया अंतर सांख्यिकीय रूप से अत्यधिक महत्वपूर्ण है। यह अंतर दर्शाता है कि व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल प्रशिक्षण महिलाओं की आय-सृजन क्षमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाता है। कुमारी (2018) और MSDE (2022) के निष्कर्ष भी इसी प्रभाव की पुष्टि करते हैं कि कौशल प्रशिक्षण से महिलाओं की आय, उत्पादकता और बाज़ार संपर्क में महत्वपूर्ण वृद्धि होती है। अतः यह आय-वृद्धि प्रशिक्षण के सकारात्मक और प्रत्यक्ष प्रभाव का स्पष्ट प्रमाण है।

6.2 उद्यमिता क्षमता

तालिका 2 : प्रशिक्षित एवं अप्रशिक्षित महिलाओं की उद्यमिता क्षमता की तुलना

समूह	*उद्यम शुरू करने वाली महिलाएँ (%)*	*नमूना आकार (n)*
प्रशिक्षित महिलाएँ	38%	200
अप्रशिक्षित महिलाएँ	17%	200

तालिका दर्शाती है कि प्रशिक्षित महिलाओं में 38% ने उद्यम शुरू किया, जबकि अप्रशिक्षित समूह में यह अनुपात मात्र 17% है। प्रतिगमन विश्लेषण ($\beta = 0.41$, $p < 0.01$) यह सिद्ध करता है कि प्रशिक्षण महिला उद्यमिता का प्रभावी निर्धारक है। यह परिणाम अहमद (2017) के अध्ययन से मेल खाता है, जिसमें SHG आधारित कौशल प्रशिक्षण को महिला उद्यमिता का प्रमुख प्रोत्साहक बताया गया था। इसी प्रकार MSDE (2022) की रिपोर्ट भी इंगित करती है कि प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं में स्व-रोज़गार एवं सूक्ष्म उद्यमिता की संभावनाओं को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाते हैं। अतः स्पष्ट है कि कौशल प्रशिक्षण महिला उद्यमिता क्षमता को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

6.3 निर्णय-क्षमता

तालिका 3 : प्रशिक्षित एवं अप्रशिक्षित महिलाओं की निर्णय-क्षमता का तुलनात्मक विश्लेषण

निर्णय का प्रकार	*प्रशिक्षित महिलाएँ (%)*	*अप्रशिक्षित महिलाएँ (%)*
वित्तीय निर्णय (बचत, ऋण, निवेश)	65%	34%
घरेलू खरीद निर्णय	71%	42%
बच्चों की शिक्षा/स्वास्थ्य से संबंधित निर्णय	57%	28%

IJAMSR

International Journal of Advanced Multidisciplinary Scientific Research (IJAMSR) ISSN:2581-4281

तालिका से स्पष्ट है कि प्रशिक्षित महिलाओं की निर्णय-क्षमता अप्रशिक्षित महिलाओं की तुलना में कहीं अधिक है–विशेष रूप से वित्तीय निर्णय (65% बनाम 34%) और घरेलू खरीद से जुड़े निर्णय (71% बनाम 42%) में। सहसंबंध विश्लेषण ($r = 0.58$, $p < 0.01$) यह दर्शाता है कि कौशल प्रशिक्षण निर्णय-क्षमता में सार्थक वृद्धि करता है। यह निष्कर्ष जोशी (2020) के अध्ययन से मेल खाता है, जिसमें कहा गया कि वित्तीय साक्षरता व कौशल प्रशिक्षण महिलाओं को संसाधनों पर अधिक नियंत्रण और आर्थिक निर्णयों में सक्रिय भागीदारी प्रदान करते हैं। इसी प्रकार UN Women (2023) की रिपोर्ट भी पुष्टि करती है कि प्रशिक्षण से महिलाओं का आत्मविश्वास और घरेलू निर्णयों में प्रभाव बढ़ता है।

6.4 सहसंबंध विश्लेषण

तालिका 4 : व्यावसायिक शिक्षा और महिला सशक्तिकरण सूचकांक के बीच सहसंबंध

चर (Variables)	***सहसंबंध गुणांक (r)***	***महत्व स्तर (p-value)***	***व्याख्या***
व्यावसायिक शिक्षा (Training Exposure)	**0.62**	**p < 0.01**	मजबूत एवं सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण सकारात्मक संबंध

सहसंबंध विश्लेषण दर्शाता है कि व्यावसायिक शिक्षा और महिला सशक्तिकरण सूचकांक के बीच संबंध मजबूत तथा सांख्यिकीय रूप से अत्यधिक महत्वपूर्ण है ($r = 0.62$, $p < 0.01$)। इसका अर्थ है कि जैसे-जैसे प्रशिक्षण का स्तर बढ़ता है, महिलाओं की आर्थिक स्वायत्तता, निर्णय-क्षमता, उद्यमिता, आत्मविश्वास और सामाजिक गतिशीलता भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ती है। यह निष्कर्ष कुमारी (2018) के अध्ययन से मेल खाता है, जिसमें कौशल प्रशिक्षण को महिलाओं की आर्थिक क्षमताओं का प्रमुख पूर्वानुमानक बताया गया था। इसी प्रकार MSDE Report (2022) ने भी संकेत दिया कि कौशल-आधारित प्रशिक्षण महिलाओं के सशक्तिकरण स्कोर में महत्वपूर्ण वृद्धि करता है–विशेषकर वित्तीय निर्णय, सामाजिक सहभागिता और उद्यमिता के क्षेत्रों में। अतः $r = 0.62$ का मान यह दर्शाता है कि व्यावसायिक शिक्षा महिलाओं के समग्र सशक्तिकरण के साथ सीधे, सकारात्मक और मजबूत रूप से संबद्ध है, और यह संबंध आकस्मिक नहीं, बल्कि वास्तविक और सांख्यिकीय रूप से सिद्ध है।

IJAMSR

International Journal of Advanced Multidisciplinary Scientific Research (IJAMSR) ISSN:2581-4281

7. निष्कर्ष

अध्ययन से स्पष्ट होता है कि व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण झारखंड की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए अत्यंत प्रभावी साधन सिद्ध हो रहे हैं। प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं की औसत आय में लगभग 42% की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि उद्यमिता अपनाने की संभावना अप्रशिक्षित महिलाओं की तुलना में लगभग दोगुनी पाई गई। साथ ही प्रशिक्षण ने महिलाओं की निर्णय-क्षमता, आत्म-विश्वास, सामाजिक सहभागिता और वित्तीय जागरूकता में उल्लेखनीय सुधार उत्पन्न किया, जिससे उनकी घरेलू एवं सामुदायिक भूमिका मजबूत हुई। SHG-JSLPS मॉडल ने सामूहिक उद्यमिता, बाज़ार-संपर्क और वित्तीय उपलब्धता के माध्यम से प्रशिक्षण की प्रभावशीलता को और बढ़ाया। डिजिटल कौशल ने महिलाओं को IT-आधारित रोजगार, ऑनलाइन विपणन और ई-कॉमर्स गतिविधियों से जोड़कर नए अवसर प्रदान किए। समग्र रूप से, अध्ययन यह संकेत देता है कि व्यावसायिक शिक्षा महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता, सामाजिक स्थिति और उद्यमिता क्षमताओं को सशक्त बनाने में निर्णायक भूमिका निभाती है।

8. नीतिगत सुझाव

अध्ययन के निष्कर्ष यह संकेत देते हैं कि व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण महिलाओं की आर्थिक स्वायत्तता और उद्यमिता क्षमता को सुदृढ़ करने में अत्यंत प्रभावी हैं। हालांकि इन कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी, सुलभ और टिकाऊ बनाने हेतु नीतिगत स्तर पर कुछ रणनीतिक हस्तक्षेप आवश्यक हैं। प्रस्तुत नीतिगत सुझाव इस उद्देश्य से तैयार किए गए हैं कि प्रशिक्षण न केवल कौशल विकास तक सीमित रहे, बल्कि महिलाओं को सतत आजीविका, बाज़ार-संपर्क, डिजिटल क्षमताओं, वित्तीय स्वतंत्रता और सामुदायिक नेतृत्व के लिए दीर्घकालिक अवसर प्रदान कर सके।

- प्रशिक्षण को स्थानीय अर्थव्यवस्था (तसर, बांस, कृषि-प्रसंस्करण) से जोड़ा जाए।
- प्रशिक्षण के बाद बाज़ार-संपर्क, मेंटरशिप और वित्तीय सहायता सुनिश्चित की जाए।
- डिजिटल कौशल को अनिवार्य घटक के रूप में शामिल किया जाए।
- SHGs को माइक्रो-उद्यम इकाई के रूप में विकसित किया जाए।
- प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या आदिवासी क्षेत्रों में बढ़ाई जाए।

IJAMSR

International Journal of Advanced Multidisciplinary Scientific Research (IJAMSR) ISSN:2581-4281

संदर्भ

1. अहमद, एस. (2017). झारखंड और छत्तीसगढ़ की आदिवासी महिलाओं में कौशल प्रशिक्षण की प्रभावशीलता: एक तुलनात्मक अध्ययन। *भारतीय सामाजिक विकास पत्रिका*, 12(3), 45-58।
2. कुमारी, पी. (2018). व्यावसायिक शिक्षा का महिलाओं की आय पर प्रभाव: एक क्षेत्रीय विश्लेषण। *इंडियन जर्नल ऑफ सोशल डेवलपमेंट*, 14(1), 52-63।
3. कौशल, आर. (2016). ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में कौशल प्रशिक्षण का योगदान। *महिला अध्ययन पत्रिका*, 8(2), 30-41।
4. शर्मा, एम., एवं सिंह, ए. (2015). कौशल प्रशिक्षण और महिला आय वृद्धि का विश्लेषण। *महिला विकास अंतरराष्ट्रीय जर्नल*, 6(1), 25-36।
5. जोशी, आर. (2020). वित्तीय साक्षरता और कौशल प्रशिक्षण का संयुक्त प्रभाव: एक अनुभवजन्य अध्ययन। *वित्त एवं समाज पत्रिका*, 7(1), 15-29।
6. मिश्रा, डी. (2021). कोविड-19 के बाद महिलाओं के लिए डिजिटल कौशल की उभरती संभावनाएँ। *ग्रामीण विकास शोध पत्रिका*, 18(4), 65-79।
7. नायर, वी., एवं मुखर्जी, एस. (2022). पूर्वी भारत में तसर-रेशम प्रशिक्षण और महिला आजीविका: एक विश्लेषण। *पूर्व भारत विकास जर्नल*, 5(3), 98-112।
8. राव, के., एवं मेहता, ए. (2019). IT-ITES कौशल प्रशिक्षण और महिला रोजगार: एक क्षेत्रीय अध्ययन। *तकनीकी शिक्षा समीक्षा*, 11(2), 88-102।
9. रहमान, टी. (2023). JSLPS आधारित कौशल प्रशिक्षण का महिलाओं की निर्णय-क्षमता पर प्रभाव। *सामुदायिक विकास शोध पत्रिका*, 10(1), 44-57।
10. शेट्टी, पी., एवं वर्मा, डी. (2025). कौशल प्रशिक्षण और महिला एजेंसी: आधुनिक आर्थिक संदर्भों का विश्लेषण। *नारी शक्ति शोध जर्नल*, 4(1), 1-14।
11. यू.एन. विमेन. (2023). *महिला आर्थिक सशक्तिकरण: वैश्विक प्रवृत्तियाँ और चुनौतियाँ 2023*. संयुक्त राष्ट्र प्रकाशन।
12. संयुक्त राष्ट्र महिला (UN-Women). (2021). *महिला आर्थिक भागीदारी और विकास संकेतक*. न्यूयॉर्क: यू.एन. विमेन।

IJAMSR

International Journal of Advanced Multidisciplinary Scientific Research (IJAMSR) ISSN:2581-4281

13. झारखंड सरकार. (2023). *झारखंड आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23*. रांची: वित्त विभाग, झारखंड शासन।
14. राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO). (2023). *श्रम-बल भागीदारी सर्वेक्षण रिपोर्ट 2022-23*. नई दिल्ली: भारत सरकार।
15. कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (MSDE). (2022). *स्किल इंडिया रिपोर्ट 2022*. नई दिल्ली: भारत सरकार।
16. JSLPS. (2023). *वार्षिक प्रगति रिपोर्ट 2022-23*. झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी।
17. Asian Development Bank. (2022). *Women's Livelihood and Skill Gaps in Tribal Regions* (हिंदी अनुवाद)। मनीला: ADB प्रकाशन।
18. Skill India Report. (2023). *महिला कौशल विकास एवं रोजगार सहभागिता विश्लेषण*. NSDC प्रकाशन।
19. इंडिया टुडे. (2023). झारखंड में महिलाओं का कौशल विकास और स्थानीय उद्यमिता। *इंडिया टुडे ऑनलाइन*. https://www.indiatoday.in
20. प्रभात खबर. (2023). झारखंड की महिलाओं में कौशल प्रशिक्षण की बढ़ती माँग। https://www.prabhatkhabar.com
21. हिंदुस्तान टाइम्स. (2023). महिला श्रम-भागीदारी में वृद्धि: झारखंड का परिदृश्य। https://www.hindustantimes.com
22. आउटलुक इंडिया. (2023). ग्रामीण महिला उद्यमिता: चुनौतियाँ और अवसर। https://www.outlookindia.com
23. YourStory. (2024). Jharkhand Women Entrepreneurs: Success Stories. https://yourstory.com
24. UNDP. (2022). *Gender Equality and Skill Development in South Asia*. https://www.undp.org
25. World Bank. (2023). *Women & Markets Report*. https://www.worldbank.org